मंजरित विश्व में यौवन के
जग कर जग की पिक मतवाली
निज अमर प्रणय स्वर मदिरा से
भर दे फिर नव युग की प्याली।

5. दिये हैं मैंने जगत को फूल-फल,
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल
ठाट जीवन का यही जो ठह गया है।
अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा
श्याम तृण पर बैठने को, निरूपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा
मैं अलक्षित हूँ, यही कवि कह गया है।

6. "महादेवी आधुनिक मीरा हैं।" इस कथन के आलोक में महादेवी के काव्य की चेतना को प्रकट कीजिए।

7. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य-सौन्दर्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

8. सुमित्रानंदन पंत के काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति-चित्रण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. "जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में जयशंकर प्रसाद के काव्य-सौन्दर्य की विवेचना कीजिए।

MAHD–02

June – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

आधुनिक काव्य

Paper : MAHD-02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) ''स्नेह-निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।'' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'साकेत' महाकाव्य के नायक-नायिका के नाम लिखिए।

(iii) 'कामायनी' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं ?

(iv) 'नई कविता' के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

(v) महादेवी वर्मा की **तीन** गद्य रचनाओं के नाम बताइये।

(vi) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है ?

(vii) नागार्जुन का पूरा नाम लिखिए।

(viii) 'नहुष' और 'विष्णुप्रिया' खण्ड काव्य के रचयिता कौन हैं ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ओ चिन्ता की पहली रेखा,
अरी! विश्व वन की प्याली।
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण,
प्रथम कंप सी मतवाली॥
हे ! अभाव की चपल बालिके,

री ललाट की खल लेखा।
हरी-भरी सी दौड़-धूप,
ओ जलमाया की चल रेखा॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जो तुम आ जाते एक बार
कितनी करुणा कितने संदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग
गाता प्राणों का तार तार
अनुराग भरा उन्माद राग
आँसू लेते वे पद पखार
हँस उठते पल में आर्द्र नयन
धुल जाता ओठों से विषाद
छा जाता जीवन में बसंत
लुट जाता चिर संचित विराग
आँखें देतीं सर्वस्व वार॥

4. निम्नलिखित पद्य-खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कंकाल जाल जग में फैले
फिर नवल रुधिर-पल्लव लाली!
प्राणों की मर्मर से मुखरित
जीवन की माँसल हरियाली!